

अध्याय 23

सात पूँछ का चूहा

प्रश्न-अभ्यास

क्या होता अगर?

चूहे ने बेकार ही सातों पूँछें कटवा लीं। सोचो तो, सात पूँछों से वह कितना सारा काम कर लेता। बताओ ये क्या-क्या कर पाते अगर –

प्रश्न 1.

हाथी के पास चार सँड होती तो...

उत्तर :

अगर हाथी के पास चार सँड होती तो वह एक साथ कई काम करता। अपनी एक सँड की सहायता से वह अपनी लिए भोजन प्राप्त करता दूसरी सँड की सहायता से वह पानी पीता; तीसरी सँड की सहायता से वह स्नान करता तथा चौथी सँड की सहायता से वह अपने को परेशान करनेवाले छोटे-छोटे जानवरों को भगाता।

प्रश्न 2.

बंदर के तीन पूँछ होती तो...

उत्तर :

अगर बंदर के तीन पूँछ होती तो वह एक पूँछ की सहायता से टहनियों पर लटकता, दूसरी पूँछ की सहायता से अपने को तंग करनेवाले छोटे-छोटे जानवरों को दूर भगाता और तीसरी पूँछ की सहायता से अपने दोस्तों के संग खेलता।

प्रश्न 3.

ऊँट की गर्दन खूब-खूब लंबी होती तो...

उत्तर :

अगर ऊँट की गर्दन खूब-खूब लंबी होती तो वह काफी ऊँचे-ऊँचे वृक्षों के

फल, पत्तियाँ आदि तोड़ लेता तथा दूर से ही खतरों को देखकर अपने दोस्तों को सावधान कर देता।

प्रश्न 4.

दूसरों की बातों में न आकर चूहा अपने दिमाग से काम लेता तो...

उत्तर :

वह कभी अपनी पूँछों को न कटवाता।

बिना पूँछ के, अब क्या होगा?

प्रश्न 5.

रंग-बिरंगे कागज़ के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

उत्तर :

विद्यार्थी स्वयं करें।

प्रश्न 6.

चूहा बिना पूँछ के क्या नहीं कर पाएगा?

उत्तर :

चूहा बिना पूँछ के रह तो जाएगा, किंतु उसे पूँछ के बिना काफ़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। किसी भी दीवार, रस्सी, टहनी आदि पर चढ़ते समय वह अपनी पूँछ से शरीर का संतुलन बनाता है। पूँछ के बिना वह किसी भी चीज़ पर नहीं चढ़ पाएगा और गिर जाएगा।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: चूहा ने क्यों अपनी पूँछों को कटवा लिया था और इससे कैसा परिणाम हुआ?

उत्तर: चूहा ने अपनी पूँछों को कटवा लिया क्योंकि उसे तंग किया जा रहा था और लोग उसे सात पूँछोंवाला चूहा कहकर चिढ़ा रहे थे। इससे उसे बुरी तरह से तंग आया था। परिणामस्वरूप, वह नाई से अपनी सारी पूँछों को कटवा

लेकर उस समस्या से मुक्त हो गया, लेकिन फिर भी लोग उसे चिढ़ाते रहे और वह अपनी स्थिति से परेशान रहा।

प्रश्न: चूहे को फिर भी सब चिढ़ाते रहने की क्या वजह थी, और इससे हमें क्या सिखने को मिलता है?

उत्तर: चूहे के पूँछों को कटवाने के बाद भी सब लोग उसे चिढ़ाते रहे क्योंकि उन्होंने दिखाया कि उसकी पूँछों की कमी से वह अब उत्सुक नहीं है। इससे हमें यह सिखने को मिलता है कि कभी-कभी हमारी कड़ी मेहनत और परिश्रम के बावजूद, लोग अपनी पूर्ववृत्तियों में पड़े रहते हैं और हमें उनकी आलोचना करते रहते हैं।

प्रश्न: कहानी से क्या सिखने को मिलता है कि लोग किसी की अच्छी या बुरी परिस्थिति में भी क्या कर सकते हैं?

उत्तर: कहानी से यह सिखने को मिलता है कि लोग किसी की अच्छी या बुरी परिस्थिति में भी अपने अदम्य साहस और संघर्ष के जरिए बदलाव कर सकते हैं। चूहे ने अपनी समस्या से बाहर निकलने के लिए मेहनत और साहस दिखाया, लेकिन फिर भी लोग उसे चिढ़ाते रहे, जो हमें यह दिखाता है कि लोग कभी-कभी परिवर्तन से भी स्वीकृति नहीं करते हैं।

प्रश्न: चूहे की समस्या का समाधान क्या था और इससे हमें क्या सिखने को मिलता है?

उत्तर: चूहे की समस्या का समाधान यह था कि उसने नाई से अपनी पूँछों को कटवा लिया। इससे हमें यह सिखने को मिलता है कि कभी-कभी हमें अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना पड़ता है और हमें अपने आत्मविश्वास में विश्वास रखना चाहिए।

प्रश्न: लोग चूहे को क्यों बिना पूँछ का चूहा कहकर चिढ़ाते रहे थे और इससे हमें क्या सिखने को मिलता है?

उत्तर: लोग चूहे को बिना पूँछ का चूहा कहकर चिढ़ाते रहे थे क्योंकि वे उसकी पूँछों को काटने के बाद भी उसे बुरी तरह से चिढ़ा रहे थे। इससे हमें यह

सिखने को मिलता है कि लोग कभी-कभी अपनी पुरानी आदतों और विचारधारा से बाहर नहीं निकलते और उन्हें बदलने में समय लगता है।

प्रश्न: कहानी में कौन-कौन से सिद्धांत हैं और उन्हें हमारे जीवन में कैसे अपना सकते हैं?

उत्तर: 1. स्वावलंबन: चूहे ने स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का सिद्धांत दिखाया। हमें भी अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना और स्वावलंबी बनना चाहिए।

2. सकारात्मक सोच: चूहे ने अपनी समस्याओं का समाधान करके भी लोगों की चिढ़ाई का सामना किया। हमें भी सकारात्मक सोच बनाए रखना चाहिए ताकि हम किसी भी परिस्थिति में हार नहीं मानें।

सात अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: चूहे को अपनी पूँछें काटने का नाई से कैसे विचार किया जा सकता है?

उत्तर: चूहे को अपनी पूँछें काटने का नाई से निर्णय करने में उसे विभिन्न पक्षों का विचार करना चाहिए। वह सोच सकता है कि क्या वह उसी पूँछों के साथ अपनी ज़िंदगी बिताना चाहता है जिसमें लोग उसे हंसते-चिढ़ाते रहेंगे, या फिर क्या वह अपनी स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीना चाहता है।

प्रश्न: चूहे के परिवर्तन की प्रक्रिया को समझाएं और उसके बाद उसका व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में कैसा परिणाम हुआ?

उत्तर: चूहे ने अपनी पूँछें काटने का निर्णय किया और इससे उसके जीवन में कई परिवर्तन हुए। उसने स्वावलंबन की ओर बढ़ता हुआ दिखाया और उसने लोगों को दिखाया कि वह अब भी मजबूत है और उसकी अपनी पहचान है। यह उसके व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिणाम थे, जो उसे स्वतंत्रता और आत्म-समर्थन की भावना दिलाई।

प्रश्न: इस कहानी के माध्यम से कौन-कौन से मौलिक सिद्धांत दिखे और वे हमें क्या सिखाते हैं?

उत्तर:

1. स्वावलंबन: चूहे ने स्वावलंबन का मौलिक सिद्धांत दिखाया, जो हमें यह सिखाता है कि हमें अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना चाहिए।
2. सकारात्मक सोच: चूहे ने सकारात्मक सोच और आत्म-समर्थन का सिद्धांत दिखाया, जो हमें यह सिखाता है कि हमें हर परिस्थिति में सकारात्मक रूप से सोचना चाहिए।
3. परिवर्तन: चूहे की कहानी से हमें यह सिखने को मिलता है कि परिवर्तन हमारे जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकता है और हमें उसे स्वीकारना चाहिए।

कहानी का सारांश

एक चूहा था। उसके सात पूँछे थीं। सब उसे सात पूँछोंवाला चूहा कहकर चिढ़ाते थे। तंग आकर चूहे ने नाई से अपनी एक पूँछ कटवा ली। अब उसके पास केवल छह पूँछे बचीं। अगले दिन चूहा जैसे ही बाहर निकला तो फिर उसे सब मिलकर चिढ़ाने लगे-छह पूँछ का चूहा, छह पूँछ का चूहा।

तंग आकर चूहा पुनः नाई के पास पहुँचा और उसने एक-एक करके अपनी सारी पूँछे कटवा दीं। अब चूहे की एक भी पूँछ नहीं बची। लेकिन फिर भी सब चूहे को चिढ़ाते-बिना पूँछ का चूहा, बिना पूँछ का चूहा।

शब्दार्थ: नाई-वह व्यक्ति जो लोगों के बाल काटता है।